This question paper contains 4 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **7387**

Unique Paper Code : **2051502** **F-7**

Name of the Paper : **Adhunik Hindi Kavita-2**

आधुनिक हिंदी कविता-2

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. किसी **एक** काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 9

सांप!

तुम सभ्य तो हुए नहीं

नगर में बसना

भी तुम्हें नहीं आया,

एक बात पूछूं-(उत्तर दोगे ?)

तब कैसे सीखा डंसना-

विष कहाँ पाया ?

P.T.O.

अथवा

यह अनाज जो बदल रक्त में
टहल रहा है तन के कोने-कोने
यह कमीज़ जो ढाल बनी है
बारिश सर्दी लू में
सब उधार का, माँगा चाहा
नमक-तेल, हींग-हल्दी तक
सब कर्जे का
यह शरीर भी उनका बंधक
अपना क्या है इस जीवन में
सब तो लिया उधार
सारा लोहा उन लोगों का
अपनी केवल धार।

2. किसी **एक** काव्यांश के रचना-कौशल पर निम्नलिखित निर्देशानुसार प्रकाश डालिए : 9

(निर्देश : राजनीतिक चेतना)

उस हिटलरी गुमान पर सभी रहे हैं थूक
जिसमें कानी हो गई शासन की बन्दूक
बढ़ी बधिरता दस गुनी, बने विनोबा मूक

धन्य-धन्य वह, धन्य वह, शासन की बन्दूक

सत्य स्वयं घायल हुआ, गई अहिंसा चूक

जहां-तहां दगने लगी शासन की बन्दूक

जली ठूंठ पर बैठकर गई कोकिला कूक

बाल न बांका कर सकी शासन की बंदूक

अथवा

(निर्देश : वर्तमान सामाजिक जीवन की विडम्बनापूर्ण स्थिति)

भीड़ ठेल कर लौट गया वह

मरा पड़ा है रामदास यह

देखो-देखो बार-बार कह

लोग निडर उस जगह खड़े रह

लगे बुलाने उन्हें, जिन्हें संशय था हत्या होगी।

3. अज्ञेय के काव्य में अभिव्यक्त व्यक्ति और समाज के सम्बन्ध पर विचार कीजिए। 14

अथवा

रघुवीर सहाय के काव्य की शिल्पगत विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए।

4. नागार्जुन के काव्य में निहित प्रगतिशील चेतना का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। 14

अथवा

हिंदी नवगीत के विकास में शम्भुनाथ सिंह के रचनात्मक योगदान को रेखांकित कीजिए।

5. 'पटकथा' कविता के आधार पर धूमिल की काव्य-संवेदना पर प्रकाश डालिए। 14

अथवा

'अरुण कमल व्यापक मानवीय सरोकारों के कवि हैं'। इस कथन की समीक्षा कीजिए।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 8,7

(क) 'कलगी बाजरे की' **अथवा** 'अकाल और उसके बाद' कविता का प्रतिपाद्य।

(ख) 'आप की हँसी' कविता में निहित व्यंग्य **अथवा** 'कीलों में जड़ दिया गया हूँ' कविता का शिल्प-सौन्दर्य।